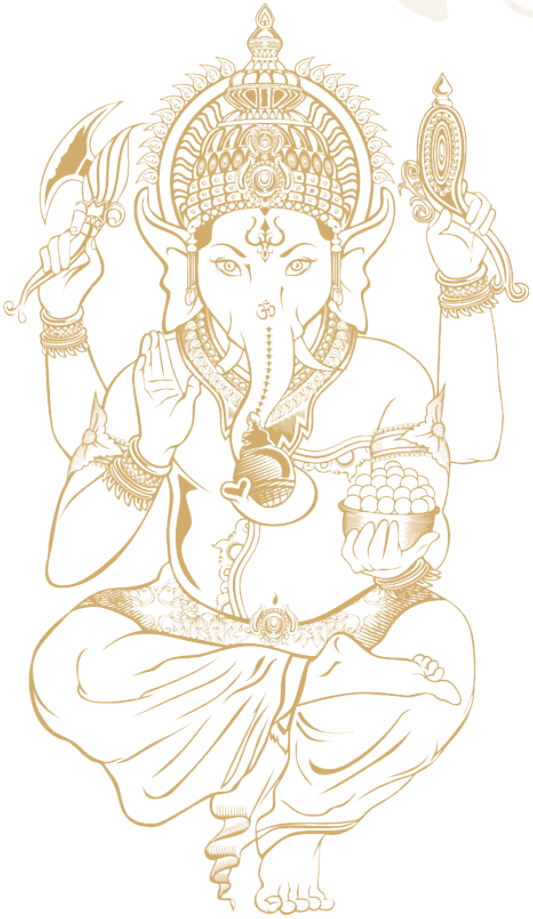

aby of Tanvisha Ashutosh gupt

23 Feb 2026

01:15 PM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121488402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:15:00 घंटे**
इष्ट	15:49:12 घटी
स्थान	**Kurukshetra**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:59:00 उत्तर
रेखांश	76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:52:24 घंटे
वेलान्तर	-00:13:22 घंटे
साम्पातिक काल	23:05:16 घंटे
सूर्योदय	06:55:19 घंटे
सूर्यास्त	18:17:02 घंटे
दिनमान	11:21:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:28:30 कुम्भ
लग्न के अंश	06:30:49 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोचन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:30:49	329:45:12	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	10:28:30	01:00:24	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	24:42:57	14:09:12	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	00:02:47	00:47:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	27:37:25	00:28:52	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:16:16	00:03:05	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	21:54:24	01:14:56	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	06:49:52	00:06:59	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:21	00:00:12	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:21	00:00:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:23:55	00:01:01	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:37:08	00:02:05	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:09:05	00:01:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	20:55:05	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

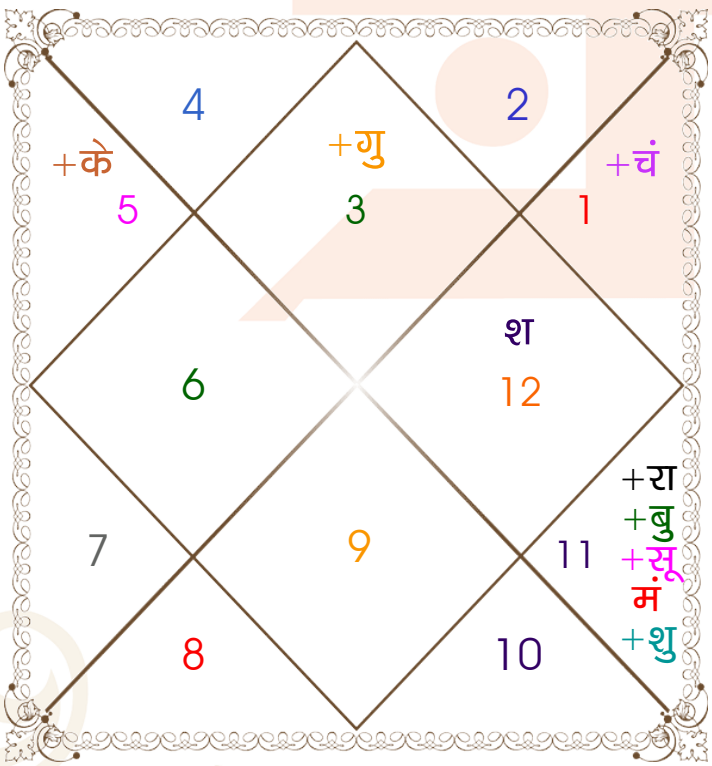

चन्द्र कुंडली

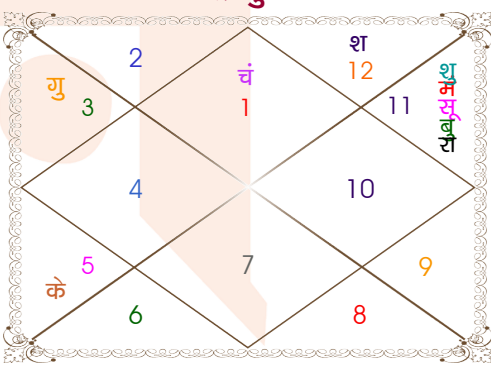

नवमांश कुंडली

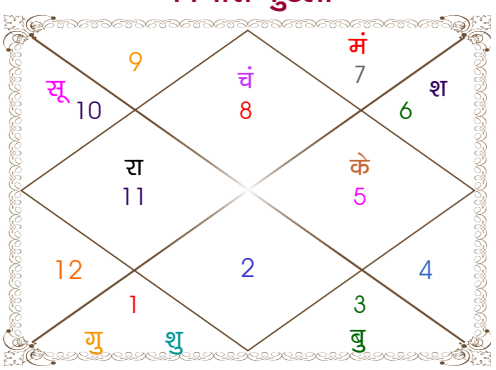

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 11 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/02/2026		27/01/2029		27/01/2035		27/01/2045		28/01/2052	
27/01/2029		27/01/2035		27/01/2045		28/01/2052		27/01/2070	
	00/00/0000	सूर्य	16/05/2029	चंद्र	28/11/2035	मंगल	25/06/2045	राहु	10/10/2054
	00/00/0000	चंद्र	15/11/2029	मंगल	28/06/2036	राहु	14/07/2046	गुरु	04/03/2057
	00/00/0000	मंगल	23/03/2030	राहु	28/12/2037	गुरु	19/06/2047	शनि	09/01/2060
	00/00/0000	राहु	15/02/2031	गुरु	29/04/2039	शनि	28/07/2048	बुध	29/07/2062
	00/00/0000	गुरु	04/12/2031	शनि	27/11/2040	बुध	25/07/2049	केतु	16/08/2063
	00/00/0000	शनि	15/11/2032	बुध	28/04/2042	केतु	22/12/2049	शुक्र	16/08/2066
	23/02/2026	बुध	21/09/2033	केतु	28/11/2042	शुक्र	21/02/2051	सूर्य	11/07/2067
बुध	28/11/2027	केतु	27/01/2034	शुक्र	28/07/2044	सूर्य	29/06/2051	चंद्र	09/01/2069
केतु	27/01/2029	शुक्र	27/01/2035	सूर्य	27/01/2045	चंद्र	28/01/2052	मंगल	27/01/2070

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/01/2070		27/01/2086		28/01/2105		28/01/2122		28/01/2129	
27/01/2086		28/01/2105		28/01/2122		28/01/2129		00/00/0000	
गुरु	16/03/2072	शनि	30/01/2089	बुध	27/06/2107	केतु	26/06/2122	शुक्र	29/05/2132
शनि	28/09/2074	बुध	10/10/2091	केतु	23/06/2108	शुक्र	26/08/2123	सूर्य	30/05/2133
बुध	03/01/2077	केतु	18/11/2092	शुक्र	24/04/2111	सूर्य	01/01/2124	चंद्र	28/01/2135
केतु	09/12/2077	शुक्र	19/01/2096	सूर्य	28/02/2112	चंद्र	01/08/2124	मंगल	30/03/2136
शुक्र	09/08/2080	सूर्य	30/12/2096	चंद्र	30/07/2113	मंगल	28/12/2124	राहु	30/03/2139
सूर्य	29/05/2081	चंद्र	01/08/2098	मंगल	27/07/2114	राहु	16/01/2126	गुरु	28/11/2141
चंद्र	28/09/2082	मंगल	10/09/2099	राहु	12/02/2117	गुरु	23/12/2126	शनि	28/01/2145
मंगल	04/09/2083	राहु	18/07/2102	गुरु	21/05/2119	शनि	01/02/2128	बुध	24/02/2146
राहु	27/01/2086	गुरु	28/01/2105	शनि	28/01/2122	बुध	28/01/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 11 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबली लंबी एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।